

प्रेषक,

सुनीलश्री पांथरी  
उप सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून: दिनांक 4-दिसम्बर, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 में 12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत चिकित्सा विभाग के अनावासीय भवनों में  
में वार्षिक/अनुरक्षण कार्य एवं विशेष मरम्मत के कार्यों के 14 कार्यों की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-7प/1/10/2009/40759 दिनांक 28 अक्टूबर, 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय 12 वें वित्त आयोग के अन्तर्गत चिकित्सा विभागान्तर्गत जनपद देहरादून एवं टिहरी गढ़वाल स्थित अनावासीय भवनों में टाईलिंग, नारवल फ्लोरिंग, अनुरक्षण कार्य एवं विशेष मरम्मत के कार्यों के 14 कार्यों हेतु वित्तीय वर्ष 2009-10 में औचित्यपूर्ण लागत रु० 37,63,000.00 (रु० सैतीस लाख तिरसठ हजार मात्र) पर प्रशासकीय/वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए संलग्नकानुसार कुल रु० 37,63,000.00 (रु० सैतीस लाख तिरसठ हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 2- आगणन में उल्लिखित दरें केवल आगणन गठित के लिये ही अनुमन्य है। कार्य कराने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- 3- उक्त धनराशि कोषागार से आहरित कर चिकित्सा विभागान्तर्गत संबंधित जनपदों के जनपद स्तरीय आहरण वितरण अधिकारियों को उपलब्ध करायी जायेगी। कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व सक्षम स्तर के अधिकारी का विभागीय तकनीकी अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये।
- 4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 5- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृत प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 6- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 7- धनराशि उन्हीं मदों/कार्यों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है।
- 8- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध करायी जाय।
- 9- अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण व्यय 31.12.2009 से पूर्व सुनिश्चित कर इसका वित्तीय/भौतिक प्रगति विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय। निर्धारित समयावधि में पूर्ण उपयोग न करने का भूलरूप से दायित्व संबंधित अधिकारी का होगा।
- 10- एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।







(धनराशि लाख रु० में)

(रु० सैतीस लाख तिरसठ हजार मात्र)

(रु० सैतीस लाख तिरसठ हजार मात्र)

(सुनीलश्री पांथरी)  
उप सूचिव